B.Com- II भारत का आर्थिक विकास एवं नियोजन (P. 2d) | By, Sujeet Kr. Suman R.N. College (Hajipur)

Qn :→ आर्थिक विकास की बाधाओं को दूर करने के उपायों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

उत्तर

आज विश्व का प्रत्येक देश अपने समग्र विकास के लिए प्रयासरत है। विशेष रूप से विश्व के सभी देश तीव्र औद्योगीकरण को अपनी प्राथमिक आवश्यकता स्वीकारते हुए उसे हर कीमत पर प्राप्त करना अपना प्रमुख लक्ष्य मानते हैं। सुप्रसिद्ध विचारक डी. बी. मुर्रे के अनुसार, "अल्पविकसित राष्ट्रों का आर्थिक एवं औद्योगिक विकास वर्तमान का एक धार्मिक संघर्ष बन चुका है।" चूँकि अल्पविकसित देशों की निर्धन स्थिति, तेजी से बढ़ती जनसंख्या, असुरक्षा की भावना एवं भुखमरी जैसी गंभीर समस्याओं का समाधान त्वरित आर्थिक विकास द्वारा ही संभव है, अतः आज आवश्यकता इस बात की है कि उन हर संभव उपायों का उपयोग किया जाये जो त्वरित आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में अधिकतम सहयोग दे सकते हैं। अल्पविकसित देशों में आर्थिक विकास की प्रक्रिया को गति देने एवं आर्थिक विकास के मार्ग में अवरोध बन रही समस्याओं को दूर करने के लिए निम्नांकित उपाय उपयोग में लाये जा सकते हैं—

(i) आधारभूत संरचना का निर्माण → प्रत्येक देश के आर्थिक विकास में आधारभूत संरचना का महत्वपूर्ण योगदान होता है। आधारभूत संरचना के अन्तर्गत यातायात, संवादवाहन के साधनों, ऊर्जा, सिंचाई, स्वास्थ्य जैसे साधनों को सम्मिलित किया जाता है। इन साधनों पर ही आर्थिक विकास की नींव रखी जाती है। अतः प्रत्येक अल्पविकसित देश को इन साधनों के त्वरित विकास के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

(ii) पूँजी निर्माण को बढ़ावा → आर्थिक विकास पूँजी निर्माण से ही संभव है। अतः पूँजी निर्माण के लिए निम्न प्रयास किये जाने चाहिए—

(a.) बचतों को प्रोत्साहन देना चाहिए।
(b.) कृषि उत्पादकता में वृद्धि की जानी चाहिए।
(c) अदृश्य बेरोजगारी को कम करना चाहिए।
(d.) राष्ट्रीय आय को बढ़ाया जाना चाहिए।
(e.) पूँजी व मुद्रा बाजार का विकास किया जाना चाहिए।

(P.T.O.)

Scanned with CamScanner

(iii) श्रम संबंधि सुधार → एक अल्पविकसित देश को तीव्र औद्योगीकरण के लिए श्रम संबंधि समस्याओं का निराकरण की दिशा में सक्रिय प्रयास करना चाहिए। उदाहरणार्थ, श्रमिकों को सामान्य शिक्षा के अतिरिक्त तकनीकी प्रशिक्षण दिलाया जाना चाहिए।

(iv) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण → अल्पविकसित देशों के सम्मुख तेजी से बढ़ रही जनसंख्या एक प्रमुख एवं ज्वलन्त समस्या है। जनसंख्या का बढ़ता हुआ भार किसी भी देश के आर्थिक विकास की गति को कम कर देता है, अतः जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कठोर प्रयास किये जाने चाहिए।

(v) बाजारों का विस्तार → अल्पविकसित देशों में सामान्यतः क्रय शक्ति अत्यधिक कम होती है, अतः बाजार विस्तार की संभवनाएँ भी बहुत धूमिल होती है। इसलिए अल्पविकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों को सर्वप्रथम अपने यहाँ निर्यात को प्रोत्साहन देना चाहिए जिससे अधिकतम विदेशी मुद्रा का अर्जन किया जा सके। विदेशी मुद्रा की पर्याप्त उपलब्धता से एक अल्पविकसित देश अपने यहाँ स्थापित होने वाले नये उद्योगों के लिए आवश्यक मशीने, उपकरण व अन्य पूँजीगत माल का आयात कर सकेगा।

(vi) कच्चे माल एवं प्राकृतिक संसाधनों का सर्वेक्षण एवं अनुकूलतम प्रयोग → अल्पविकसित देशों के आर्थिक विकास में सबसे बड़ा अवरोध पैदा होने का मूल कारण उनके प्राकृतिक संसाधनों का गलत अथवा सम्पूर्ण और सही ढंग से दोहन न होना है। अधिकांश अल्पविकसित अर्थव्यवस्था वाले देश अपने यहाँ उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का सामान्यतः अनभिज्ञ रहते है। अल्पविकसित राष्ट्र को अपने प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण सर्वेक्षण करना चाहिए एवं उनके विदोहन के लिए योजनाएँ बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

(vii) राजनीतिक स्थिरता

(viii) प्रशासनिक कुशलता

(ix) विदेशी पूँजी एवं सहकार्य को प्रोत्साहन

(x) उद्यमशीलता का विकास

(xi) तकनीकी विकास को प्रोत्साहन

इन सभी बाधाओं को दूर करने से आर्थिक विकास में बाधा नहीं पहुँचेगी।

Scanned with CamScanner